आजा चूरू के राजा

तर्ज - तेरी अँखिया को यो काजल....

हम कबसे राह निहारे
क्यो न आये बाबोसा हमारे
एक पल भी चेन न आवे
बिन दर्शन के तुम्हारे .
हो..पल पल , पल पल याद तेरी तड़पावे रे ,
अब आजा चूरू के राजा , भक्त बुलावे है रे ,

अँखिया तरस रही , तेरा करने को दीदार
ये दिल की हर धड़कन भी , तुमको रही पुकार
मेरी जिंदगी का अब ये , पहलू बदल न जाये
कही तुम्हारे आते आते , मेरा दम निकल न जाये,
हो..पल पल , पल पल याद तेरी तड़पावे रे ,
अब आजा चूरू के राजा , भक्त बुलावे रे ,

कही टूट न जाये बाबा , तेरे भक्तो की ये आस
दौड़े आयेंगे बाबोसा , है पक्का मुझे विस्वास
दिलसे बुलाओ दिलबर आयेगे वो जरूर
अपने भक्तो की विनती नही ठुकरायेंगे हुजूर
हो..पल पल , पल पल याद तेरी तड़पावे रे
अब आजा चूरू के राजा , के भक्त बुलावे रे

✍ रचनाकार ✍
दिलीप सिंह सिसोदिया
❤ दिलबर ❤
नागदा जक्शन म.प्र .

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19851/title/aaja-churu-ke-raja

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |